बाबा विश्वनाथ का किया अभिषेक

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बुधवार को वाराणसी में काशी विश्वनाथ महादेव के दर्शन किये। उन्होंने सपरिवार विधि-विधान से बाबा विश्वनाथ का पूजन एवं अभिषेक किया और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की प्रार्थना की। वाराणसी कैंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक सौरभ श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

पुलिस की सक्रियता: शांति व उल्लासपूर्ण माहौल में मना नववर्ष

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से लेकर थाना प्रभारी तक उतरे मैदान में, पब व बार समय पर हुए बंद, महिला सुरक्षा पर भी था ध्यान

भोपाल (काप्र)।

नए साल 2025 के जश्न के दौरान प्रदेश में शांति व्यवस्था बनी रहें व किसी प्रकार की घटना-दुर्घटना न हो, इसे लेकर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के दिशा निर्देशन में प्रदेश पुलिस द्वारा विगत कई दिनों पूर्व से ही तैयारी कर ली गई थी। इसका असर यह रहा कि पूरे शहर में 31 दिसंबर की रात में किसी भी प्रकार का कोई विवाद या अप्रिय घटना या दुर्घटना नहीं हुई। पुलिस की कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के चलते नागरिकों ने सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से नववर्ष के स्वागत का उत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया।

कल 31 दिसम्बर की व्यवस्था के तहत सभी जिलों में हजारों का अतिरिक्त बल सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए लगाया गया था, जिनके द्वारा पूरे प्रदेश में चेकिंग पॉइंट्स लगाए थे। इन चेकिंग पॉइंट्स पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से लेकर थाना प्रभारी तक सक्रिय रूप से मौजूद रहे और थानों का भी 60 प्रतिशत से ज्यादा बल, फील्ड में ही तैनात रहकर, नशेड़ियों व असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर बनाए हुए था। प्रदेश में बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिये आउटर व इनर सर्कल की व्यवस्था लगाई गई थी, जिसके तहत बाहरी क्षेत्रों से नशे की सप्लाय न हो व कोई अवैध गतिविधियां न हो इसको लेकर, काइम ब्राचं की मोबाइल टीमें भी लगातार पेट्रोलिंग कर रहीं थी। जगह-जगह चेकिंग पॉइंट लगाए थे, जिससे हुड़दंग करने वाले सचेत रहे। इस दौरान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण ने भी खुद देर रात तक चेकिंग पॉइंट पर जाकर मॉनिटरिंग की। पुलिस द्वारा तय समय अनुसार सारे पब व बार एवं अन्य आयोजनों को बंद करवाया तथा रोड पर कोई भी नशा कर वाहन न चलाएं इसको लेकर सघन चैकिंग की। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर महिला अधिकारी के नेतृत्व में महिला पीसीआर मय महिला बल के साथ लगाई गयी, जो शहरों के विभिन्न क्षेत्रों में पब बार व विभिन्न आयोजन में महिलाओं की सुरक्षा पर नजर रख रही थी।

इंदौर पुलिस की प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था

इंदौर में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने विगत कई दिनों से नव वर्ष की रात के लिए सुरक्षा की पूरी तैयारी की थी। 31 दिसंबर की रात को शहर में 2000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी और 100 से अधिक चेकिंग प्वाइंट्स पर कड़ी निगरानी रखी गई। इस दौरान पुलिस ने असामाजिक तत्वों, नशे में धुत वाहन चालकों, और तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई, जिसके तहत महिला एसीपी के नेतृत्व में महिला पीसीआर टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की ब्रीथ एनालाइजर से जांच की, और चेक प्वाइंट्स पर सघन चेकिंग के दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव पर पूरी तरह से रोक लगाने की कोशिश की। पुलिस ने पब, बार, और होटलों के संचालकों से रात 10 बजे तक पार्टी आयोजित करने की सलाह दी और बिना लाइसेंस शराब परोसने वाले होटल और रेस्टोरेंट संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। शराब तस्करी पर नियंत्रण के लिए पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम सक्रिय थी। सुरक्षा व्यवस्था के दौरान बॉडी वॉर्न कैमरे का भी इस्तेमाल किया गया, जिससे कार्रवाई पर कोई सवाल न उठे।

दतिया, गुना, कटनी, मैहर और सीहोर में कड़ी निगरानी

दतिया जिले में पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग प्वाइंट्स लगाए और संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी। गुना जिले में शराब पीकर वाहन चलाने वालों की ब्रीथ एनालाइजर से जांच की गई, और वैधानिक कार्यवाही की गई। कटनी में पुलिस ने देर रात कार्यवाही करते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की और शराब पीकर वाहन चलाने वाले पांच मोटरसाइकिल व एक कार चालक पर एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही की। मैहर में शारदा माता के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने के बाद पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। सीहोर जिले में पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिले के धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु पुलिस बल की तैनाती की गई।

हुड़दंग और नशेबाजी के खिलाफ सख्त चेतावनी

नव वर्ष के अवसर पर भोपाल पुलिस ने सख्त चेतावनी दी थी कि कोई भी व्यक्ति शराब पीकर गाड़ी चलाता है, नशे में धुत होकर सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग मचाता है, तो उसे गिरफ्तार कर थाने में रात बितानी पड़ेगी। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने स्पष्ट किया कि सड़कों पर वेबजह घूमने या सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शहरभर के 100 चेकिंग प्वाइंट्स पर सुरक्षा के इंतजाम किए और इन प्वाइंट्स पर विशेष पुलिस दस्ते तैनात किए गए थे। शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच की गई और स्पीड राडार के द्वारा वाहनों की गति की निगरानी रखी गई। साथ ही, पुलिस ने स्पष्ट किया था कि अगर पांच या उससे अधिक लोग किसी स्थान पर न्यू ईयर पार्टी करना चाहते हैं तो उन्हें पहले से पुलिस से अनुमति लेनी होगी। मप्र पुलिस ने सोशल मीडिया, स्थानीय समाचार माध्यमों और जनसंपर्क कार्यक्रमों के जरिए जनता को सतर्क रहने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जागरूक किया। मप्र पुलिस के इस समन्वित प्रयासों और कड़ी निगरानी के कारण प्रदेश में नव वर्ष का जश्न शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में मनाया गया। पुलिस के प्रयासों से यह सुनिश्चित किया गया कि नागरिकों ने उत्सव का आनंद पूरी तरह से हर्षोल्लास के साथ, नियमों का पालन करते हुए लिया।

मुख्यमंत्री ने पचमढ़ी में प्राकृतिक रेशमी वस्त्रों की प्रदर्शनी देखी

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नर्मदापुरम जिले में स्थित पर्यटन केंद्र पचमढ़ी में प्राकृतिक रेशमी वस्त्रों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शनी प्राकृत- द गिफ्ट ऑफ नेच्यूरल का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वस्त्रों के निर्माण,विक्रय व्यवस्था आदि की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पचमढ़ी न केवल अप्रतिम सुंदरता और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि प्रदेश के वस्त्र शिल्पियों के बनाए कलात्मक वस्त्रों के विक्रय की दृष्टि से भी देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अनूठी प्रदर्शनी के लिए एमपी सिल्क फेडरेशन के समस्त टीम सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पचमढ़ी प्रवास में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से भी भेंट की।

31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 3 जनवरी से...

महाकुंभ में देश-विदेश के 700 से अधिक युवा वैज्ञानिक होंगे शामिल

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ करेंगे। रवीन्द्र भवन में 3 से 6 जनवरी 2025 के बीच 4 दिवसीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना और उन्हें विज्ञान, नवाचार और तकनीकी क्षेत्र में योगदान करने के लिए प्रेरित करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह आयोजन बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और नवाचार के क्षेत्र में नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। मध्यप्रदेश को इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी करते हुए गर्व हो रहा है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में देश के 700 से अधिक विद्यार्थी, उनके शिक्षक और मेंटर भाग लेंगे। साथ ही बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों के छात्र भी शामिल होंगे।

इस संदर्भ में आयोजित एक संयुक्त पत्रकारवार्ता में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी तथा वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विवेक कटारे ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समझना है। इस विषय को पांच उप-विषयों में विभाजित किया गया है, जिनमें पारिस्थितिकी तंत्र की समझ, पोषण व स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, आत्मनिर्भरता के लिए पारिस्थितिकी दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाएं शामिल हैं। राष्ट्रीय बाल विकास कांग्रेस एक राष्ट्रीय विज्ञान संचार कार्यक्रम है, जिसकी शुरूआत 1993 में हुई थी। यह भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद के द्वारा आयोजित किया जाता है। इसमें 10 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे भाग लेते है।

वराह मिहिर वेधशाला का ऑटोमेशन का उद्घाटन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला के ऑटोमेशन का उद्घाटन भी करेंगे। इससे विज्ञान और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को नई पहचान मिलेगी। ऑटोमेशन होने से आम नागरिक अब घर बैठे ही वेधशाला के टेलीस्कोप का उपयोग कर सकेंगे। राष्ट्रीय बाल विकास कांग्रेस में विभिन्न विषयों पर 20 से अधिक तकनीकी सत्र, कार्यशालाएं, प्रदर्शनी और विज्ञान आधारित खेलों का आयोजन होगा। इनमें चंद्रयान प्रदर्शनी, वॉटर रॉकेटरी, कागज से टोपी निर्माण, पर्यावरण साँप सीढ़ी का खेल, गणित सीढ़ी का खेल, जीव विज्ञान प्रदर्शनी, लीफ क्राफ्ट, पर्यावरण प्रदर्शनी, चीता प्रदर्शनी, लोक गीत द्वारा वैज्ञानिक जागरूकता, हाईड्रोपोनिक्स तकनीक रोबोटिक्स कार्यशाला, आकाशीय बिजली से बचाव पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों एवं छात्रों के मध्य फेस-टू-फेस संवाद भी होगा। प्रतिष्ठित वैज्ञानिक जैसे सोलर मैन डॉ. चेतन सोलंकी (मुंबई), डॉ. नंद कुमार (एम्स, दिल्ली) और डॉ. चैतन्य पूरी (आइसर पुणे) छात्रों के साथ संवाद करेंगे। राजधानी के विद्यार्थियों को इस आयोजन में शामिल होने का विशेष अवसर दिया गया है। स्थानीय विद्यालयों और महाविद्यालयों से भी वैज्ञानिक प्रोजेक्ट आमंत्रित किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों को देश-विदेश के प्रतिभागियों और वैज्ञानिकों से सीखने और संवाद करने का अवसर मिलेगा। भोपाल में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, शिक्षकों और वैज्ञानिक समुदाय के लिए विज्ञान के नए आयामों को समझने और साझा करने का मंच प्रदान करेगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने किया पदभार ग्रहण

भोपाल(काप्र)। आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग मनोज श्रीवास्वत ने 1 जनवरी को पदभार ग्रहण किया। श्री श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों की बैठक लेकर आयोग की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के चुनाव में किये जा रहे नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान आयोग के उप सचिव मनोज मालवीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता आज से

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह 2 जनवरी को 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024-25 का शुभारंभ करेंगे। शुभारंभ समारोह गुरुवार को दोपहर एक बजे भोपाल के शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर में होगा। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएँ हॉकी अंडर-14 बालक और शूटिंग अंडर-14-19 बालक-बालिका वर्ग की होंगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2 से 7 जनवरी, 2025 तक चलेगी।

स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस 12 जनवरी को होगा सामूहिक सूर्य-नमस्कार

भोपाल (काप्र)। स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस 12 जनवरी को प्रतिवर्ष युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। युवा दिवस के मौके पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन किया जाता है। सामूहिक सूर्य-नमस्कार के साथ स्वामी विवेकानंद पर केन्द्रित प्रेरणादायी शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग ने आयुक्त लोक शिक्षण को सामूहिक सूर्य-नमस्कार और इससे जुड़े कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों और आम लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित करने के लिये कहा है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रदेश की समस्त विद्यालयीन संस्थाओं में 12 जनवरी को प्रात: 9 से 10:30 बजे तक सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन हो। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम और मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन होगा। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का रेडियो पर संदेश प्रसारित होगा। सामूहिक सूर्य-नमस्कार समस्त शिक्षण संस्थाओं में एक साथ, एक संकेत पर किया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। शिक्षण संस्थाओं में होने वाले सामूहिक सूर्य-नमस्कार में मंत्रीगण, सांसद, महापौर, अध्यक्ष जिला पंचायत, विधायक, अध्यक्ष नगरपालिका एवं स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार में कक्षा-6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी शामिल होंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार में शामिल विद्यार्थियों को योग और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के महत्व के बारे में भी बताया जायेगा।

स्पेशल खबर रवीन्द्र भवन में 3 जनवरी 2025 को आयोजित होगा कार्यक्रम...

पुरोवाक् और महादेव सीरीज का लोकार्पण कल, आर्ष भारत प्रदर्शनी भी

भोपाल (काप्र)।

वीर भारत न्यास के रिसर्च जर्नल युगयुगीन भारत का पुरोवाक् और वीर भारत यू-ट्यूब चैनल पर प्रसारित होने वाली सीरीज महादेव का लोकार्पण 3 जनवरी 2025 को होगा। रवीन्द्र भवन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा निर्मित प्रदर्शनी आर्ष भारत को भी प्रदर्शित किया जायेगा।

वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि भारतवर्ष के गौरवशाली और पराक्रमी अतीत से सुपरिचय तथा प्रेरणा हमारे समय की अपरिहार्य आवश्यरकता है। युगयुगीन भारत का पुरोवाक् भारतीय प्राचीन विद्या, ज्ञान-विज्ञान परंपरा, साहित्य, दर्शन, इतिहास, सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करने तथा भारत गौरव की नई दृष्टि से पुनरप्रस्तुति का प्रयास है। पुरोवाक् के प्रवेशांक को सरस्वती सभ्यता के विभिन्न आयामों- ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, पुरातात्विक, सामाजिक और वैज्ञानिक पहुलओं से लेकर इसकी समकालीन प्रासंगिकता पर केन्द्रित किया गया है।

न्यासी सचिव ने कहा कि तेजस्विता और शौर्य हमारे जीवन, परंपरा, चित्त-वृत्ति, चिंतन-प्रकृति, दर्शन, जीवन मूल्य, आस्था और विश्वासों का स्वर है। यू-ट्यूब चैनल वीर भारत युगयुगीन भारत के कालजयी महानायकों की तेजस्विता की महागाथा को प्रदर्शित करने का प्लेटफार्म है। इसके माध्यम से महादेव सीरीज का शुभारंभ किया जा रहा है। महादेव की हर कथा का अपना एक रहस्य है, जिसमें सृष्टि का सृजन और विसर्जन शामिल है। उसी को जानने और समझने की एक श्रृंखला है... महादेव। इसके साथ ही पूर्वज श्रीराम के, युगयुगीन भारतवंशी, महागाथा व महाजनपद जैसे एपिसोड की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर प्रशंसा हो रही है। उन्होंने बताया कि पूर्वज श्रीराम के श्रृंखला में वेदों, पुराणों, महाभारत, वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस जैसे ग्रंथों में वर्णित श्रीराम के पूर्वजों के जीवन को विस्तार से दिखाती है। श्रृंखला इस सत्य की स्थापना करती है कि दुनिया के आरंभ का प्रत्येक विचार श्रीराम के पूर्वजों के साथ ही आरंभ हुआ और आगे विकसित हुआ।

युगयुगीन भारतवंशी के माध्यम बिना किसी पूर्वाग्रह के युगयुगीन भारतवंशियों के प्रामाणिक इतिहास को यथा संभव किंवदंतियों से अलग रखते हुए पुनर्प्रस्तुत करने और साझा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अपने शौर्य, रचनात्मकता तथा सामाजिक, सांस्कृतिक संस्कारों से भारतवर्ष को समृद्ध करने में बहुविध जनजातियों की उल्लेखनीय भूमिका रही हैं। महाभारत काल में देश के पूर्व-परिश्च, उत्तर-दक्षिण और मध्य के भू-भाग में निवास करने वाली जनजातियों के बारे में आधुनिक इतिहास में उन्हें विस्मृत ही कर रखा है।

महागाथा वैज्ञानिक विमर्श के साथ पौराणिक कथाओं का एक रोचक एवं ज्ञानवर्धक सीरीज है। उन्होंने बताया कि महाजनपद सीरीज भी महत्वपूर्ण है। महाजनपदों ने प्राचीन भारत की सिर्फ भौगोलिक सीमाओं को ही परिभाषित नहीं किया बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक संचालन की पद्धतियाँ भी विकसित कीं। यहाँ तक कि प्राचीन भारत के इतिहास में सिंधु सभ्यता के बाद सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल महाजनपद को माना जा सकता है। न्यासी सचिव ने बताया कि भारतीय ऋषि वैज्ञानिकों की अति दुर्लभ और अत?यंत मूल?यवान परंपरा पर केन्द्रित आर्ष भारत प्रदर्शनी को भी लगाया जा रहा है। विश्व की सबसे प्राचीन भारतीय सनातन परम्परा को जिन ऋषि, महर्षि, आचार्य व असंख्य मेधावान पुरुषों ने अपनी साधना, तप, ध्यान व उससे अर्जित ज्ञान से पल्लवित किया, वह अद्वितीय है। सनातन की इस शाश्वत परम्परा का न कोई आदि है और न कोई अन्त। इसमें शामिल ज्ञान की अविचल धारा में उत्तरोत्तर सम्पूर्ण विश्व को नई दिशाएं प्रदान की हैं। ज्ञान को भारत में प्राचीन समय से ही सर्वाधिक महत्व प्रदान किया गया है। प्राचीनकाल से लेकर आज के आधुनिक समय तक ऐसे असंख्य क्षेत्र हैं, जिनमें भारतीय ज्ञान परम्परा से तय नवीन प्रतिमान स्थापित हुए हैं। इस प्रदर्शनी में 112 से अधिक ऋषियों, मनीषियों, महापुरूषों के चित्रों को देशभर के चित्रकारों ने तैयार किया है।